PLANT DESCRIPTION

पौधा का नाम – पारिजात / हरसिंगार / शीफालिका

सामान्य नाम (Common Names) – Parijat, Night-flowering Jasmine, Coral Jasmine

वनस्पतिक नाम (Botanical Name) – *Nyctanthes arbor-tristis*

- **कुल (Family) का नाम** – Oleaceae

🌱 **पौधा का स्वभाव**

- यह एक **छोटा सदाबहार या अर्धपर्णपाती झाड़ीदार वृक्ष** है।
- **ऊँचाई** – लगभग 3 से 10 मीटर तक बढ़ता है।
- **तना (Stem)** – खुरदरा, धूसर रंग का और कभी-कभी थोड़ा झुका हुआ।
- **पत्तियाँ (Leaves)** – चौड़ी, खुरदरी और विपरीत दिशा में लगी होती हैं।
- **फूल (Flowers)** –
  - अत्यंत सुगंधित, सफेद रंग के और बीच में नारंगी केंद्र (orange tube) वाले।
  - फूल रात में खिलते हैं और सुबह झर जाते हैं — इसी कारण इसे "**रात की रानी**" या *Night-flowering Jasmine* कहा जाता है।
- **फल (Fruits)** – छोटे, चपटे, दो खंड वाले (bilobed) कैप्सूल जैसे।

🌿 **पौधे की प्रकृति / स्वभाव**

- **धूप और छाया दोनों में उग सकता है।**
- जलवायु सहनशील – गर्म और आर्द्र वातावरण पसंद करता है।
- यह **सुगंधित और धार्मिक महत्व वाला पौधा** है।

⚒ **उपयोग**

1. **सजावटी उपयोग** 🌺
   - घरों, मंदिरों और बगीचों में सजावटी पौधे के रूप में लगाया जाता है।
   - रात्रि में इसकी सुगंध वातावरण को मनमोहक बना देती है।
2. **धार्मिक उपयोग** 🙏
   - हिंदू धर्म में **भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी** को अर्पित करने के लिए इसके फूलों का विशेष महत्व है।
   - पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में फूलों का उपयोग।
3. **पर्यावरणीय उपयोग** 🌿
   - वायु शुद्ध करने में सहायक।
   - इसके फूलों से प्राकृतिक सुगंधित तेल और परफ्यूम बनाए जाते हैं।

🌿 **औषधीय उपयोग (Medicinal Uses)**

➡️ **पारिजात एक प्रसिद्ध आयुर्वेदिक औषधीय पौधा है। इसके सभी भाग — फूल, पत्तियाँ, छाल और बीज — औषधि के रूप में उपयोग किए जाते हैं।**

🌼 1. पत्तियाँ (Leaves)

- **ज्वर (Fever)** – विशेषकर मलेरिया और डेंगू के बुखार में इसके पत्तों का काढ़ा दिया जाता है।
- **जोड़ों का दर्द (Arthritis)** – सूजन और दर्द में राहत देता है।
- **लीवर टॉनिक** – यकृत को मजबूत बनाता है।

🌸 2. फूल (Flowers)

- **शीतल, सुगंधित और हृदय को शांति देने वाले।**
- **चर्म रोग, रक्त विकार और पित्त दोष** में उपयोगी।
- **चाय** या हर्बल ड्रिंक के रूप में शरीर को शांत और शुद्ध करता है।

🌳 3. छाल (Bark)

- **कड़वी और ज्वरनाशक** होती है।
- बुखार, पेट के रोग और त्वचा संक्रमणों के इलाज में उपयोग।

🌰 4. बीज (Seeds)

- कब्ज, पाचन विकार और मूत्र संबंधी समस्याओं में लाभदायक।

⚠️ सावधानी

- अत्यधिक मात्रा में सेवन से पेट में जलन या मितली हो सकती है।
- औषधीय उपयोग वैद्य या विशेषज्ञ की सलाह से ही करें।

🌸 विशेष तथ्य

- पारिजात का उल्लेख **पुराणों में दिव्य स्वर्गीय वृक्ष** के रूप में हुआ है, जो समुद्र मंथन से निकला था।
- इसे "**हरसिंगार**" कहा जाता है क्योंकि फूल सुबह "हर" (भगवान शिव/सूर्य) को अर्पित किए जाते हैं।
- फूल झड़ने पर भी सुगंध बनाए रखते हैं, इसलिए इसका नाम "**arbor-tristis**" (दुखी वृक्ष) पड़ा।